संस्कृत है विश्व कल्याण का आधार

सीकर, (निसं)। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, सीकर में दो दिवसीय संस्कृत शिक्षा विभागीय संस्था प्रधानों की वाक्पीठ संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन जिला नोडल अधिकारी संस्कृत शिक्षा योगेश कुमार शर्मा ने किया, जिसमें सीकर जिले की 31 वरिष्ठ उपाध्याय सहित उच्च प्राथमिक संस्थाओं के संस्था प्रधानों ने भाग लिया। संगोष्ठी में मुख्य शिक्षा के महत्व और इसके विश्व कल्याण में योगदान पर चर्चा की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अतिरिक्त प्रदेश महामंत्री प्रो. डॉ. अशोक महला ने संस्कृत की महत्ता को बल देते हुए बताया कि संस्कृत विश्व कल्याण की भाषा है और 2047 में विकसित भारत में संस्कृत विद्वानों को बड़ी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने संस्कृत शिक्षा में नामांकन बढ़ाने हेतु नवीन नवाचार करने का आव्हान किया। समारोह में विशेष अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी बाबुलाल गुर्जर रहे, जिन्होंने संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता को बताते हुए प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक खोजों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से हमें हमारे पूर्वजों की ज्ञान-विज्ञान की विरासत का पता चलता है। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य संस्कृत शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना और नवाचार करना है।

राजस्थानी नाट्य कृति 'अलेखूं अंबा' के हिन्दी अनुवाद 'अनगिनत अंबाएं' पुस्तक का लोकार्पण

बीकानेर,(निसं)। प्रज्ञालय संस्थान द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह में राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा की राजस्थानी पुरस्कृत नाट्य कृति 'अलेखूं अंबा' के हिन्दी अनुवाद 'अनगिनत अंबाएँ' पुस्तक जो हाल ही में केन्द्रिय साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुई है, का लोकार्पण समारोह नागरी भण्डार स्थित सुदर्शन कला दीर्घा में हुआ।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार, रंगकर्मी एवं पत्रकार मधु आचार्य ने कहा कि 'अनगिनत अंबाएँ' राजस्थानी का उत्तर आधुनिक साहित्यिक नाटक है। जिसका मूल राजस्थानी कृति से हिन्दी में श्रेष्ठ अनुवाद होना एक अनुपम उदाहरण है। वैसे भी श्रेष्ठ अनुवाद करना मूल सृजन से अधिक महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। जिसका सफल निक्हन मालचंद तिवाड़ी ने किया है।

मधु आचार्य ने आगे कहा कि कमल रंगा कि मूल कृति 'अलेखूं अंबा' का कथानक पौराणिक है, परन्तु उक्त पुरस्कृत नाट्य कृति समकालीन संदर्भ-आधुनिक बोध के साथ नारी की पीड़ा- वेदना एवं संवेदना को सशक्त ढंग से प्रगट करती है।

'अनगिनत अंबाएँ' कृति के अनुवादक वरिष्ठ साहित्यकार-आलोचक मालचंद तिवाड़ी ने कहा कि अनुवाद कर्म प्रेम का सृजनात्मक परिश्रम है। फिर भी अनुवाद कर्म को अक्सर दोयम दर्जे का लेखन मान लिया जाता है, जबकि इसकी चुनौती मौलिक सृजन से बढ़कर और जोखिम से भरी होती है। अर्थ और अभिप्राय को एक भाषा से दूसरी भाषा में उसकी पवित्रता को खंडित किए बिना रूपान्तरित करना सहज नहीं होता है।

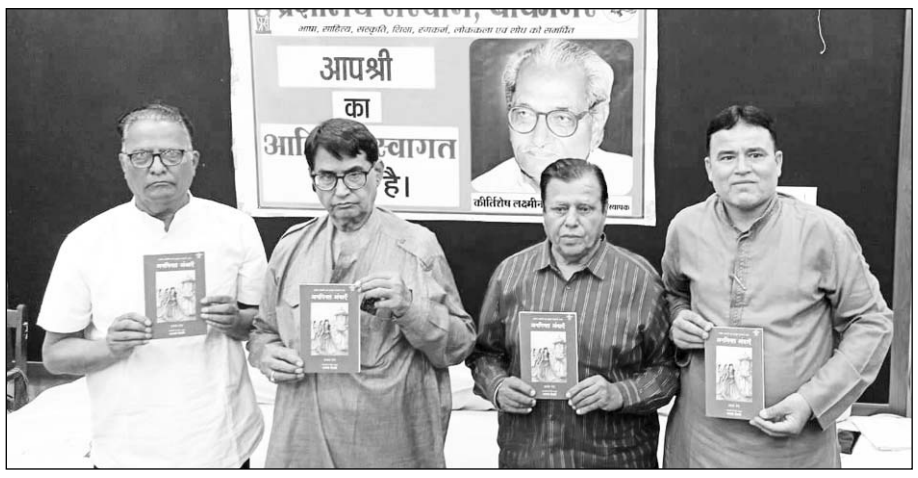

राजस्थानी नाट्य कृति 'अलेखूं अंबा' के हिन्दी अनुवाद 'अनगिनत अंबाएँ' पुस्तक का लोकार्पण करते मालचंद तिवाडी।

मालचंद तिवाड़ी ने आगे कहा कि अलेखूं अंबा के अनुवाद में यह चुनौती इसके शीर्षक से ही शुरू हो गई थी, क्योंकि यह चर्चित नाटक महाभारत के उद्योग पर्व, आदि पर्व, शान्ति पर्व एवं भीष्म पर्व आदि के महत्वपूर्ण संदर्भों को नई दृष्टि से देखने व समझने के साथ सृजित है।

इस अवसर पर मूल कृति के रचनाकार कमल रंगा ने कहा कि मालचंद तिवाड़ी ने बेहतरीन हिन्दी अनुवाद कर इस पुरस्कृत राजस्थानी नाटक को हिन्दी जगत के पाठकों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण सृजनात्मक उपक्रम किया है। इस अवसर पर अपनी रचना प्रक्रिया साझा करते हुए रंगा ने बताया कि पौराणिक कथानक के माध्यम से समकालीन संदर्भ को परोटना एक चुनौती है।

■ अनुवाद कर्म सृजनात्मक चुनौती है- मालचंद तिवाड़ी

अनूदित कृति पर अपनी आलोचनात्मक बात रखते हुए राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार शंकरसिंह राजपुरोहित ने कहा कि नाटक का अनुवाद करना कठिन कार्य है, और खास तौर से पौराणिक कथानक के नाटक का श्रेष्ठ अनुवाद करना महत्वपूर्ण कार्य होता है। परन्तु मालचंद तिवाड़ी जैसे कुशल अनुवादक ही ऐसा श्रेष्ठ अनुवाद कर सकते थे। जो अपने आप में प्रशंसा योग्य है।

इसी क्रम में युवा साहित्यकार विप्लव व्यास ने अनूदित कृति पर अपनी आलोचनात्मक टीप रखते हुए कहा कि अनुवाद कर्म कला एवं विज्ञान के साथ मूल भाषा से हिन्दी में अनुवाद करना कठिन कार्य है, परन्तु यह अनुवाद अपनी श्रेष्ठता के कारण महत्वपूर्ण तो है ही साथ ही चर्चित भी होगा।प्रारंभ में युवा कवि गिरिराज पारीक ने लोकार्पण समारोह की गरिमामय मंच एवं उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए पुस्तक परिचय एवं अनुवादक का परिचय प्रस्तुत किया।

हनुमान जयंती महोत्सव 1 व 2 अप्रैल को

बीकानेर, (निसं)। शास्त्री नगर की श्री वीर हनुमान वाटिका में दो दिवसीय हनुमान जयंती महोत्सव एक व दो अप्रेल को होगा। सचेतन झांकियों के साथ विशाल भक्ति संगीत संध्या, श्रृंगार व पूजन के कार्यक्रम हनुमान जयंती के दिन दो अप्रेल को शिवबाड़ी के लालेश्वर महादेव मंदिर, शिवबाड़ी के अधिष्ठाता स्वामी विमर्शानंद गिरि के सान्निध्य में होगा। श्री वीर हनुमान वाटिका समिति की अध्यक्ष व पूर्व पार्षद छाया गुप्ता ने बताया कि लगातार 30 वर्ष आयोजित हनुमान जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी है। मंदिर में साफ, सफाई, रंग रोगन व आकर्षक सजावट तथा अधिकाधिक भागीदारी के लिए घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र दिए जा रहे है। नगर के प्रमुख मंदिरों, चौराहों में बैनर, होर्डिंग लगवाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि मंदिर के पुजारी पंडित आसाराम ओझा के नेतृत्व में शास्त्री नगर, ड्यूप्लेक्स कॉलोनी, पवनपुरी आदि स्थानों के वाशिंदों की सक्रिय भागीदारी से नवरात्रि व रामनवमी पर वीर हनुमान जी महाराज की सौम्य, चमत्मकारी प्रतिमा पर सिन्दूर से अभिषेक, श्रृंगार, हनुमान चालीसा, सुन्दरकांड तथा दुर्गा शप्त शती का पाठ किया गया। उन्होंने बताया कि एक अप्रेल बुधवार को सुबह सात बजे आरती, सुबह साढ़े आठ बजे अभिषेक, शाम चार बजे से सात बजे तक सुन्दरकांड का पाठ, शाम साढ़े सात बजे आरती, उसके बाद सवामणी का भोग लगाया जाएगा तथा प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 अप्रेल को शाम सात बजे हनुमानजी की मूर्ति का श्रृंगार व भव्य आरती तथा उसके बाद हिन्दुस्तान की लोकप्रिय कलाकारों की ओर से शाम सात बजे भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- भू.वि./2025-26/21147140 दिनांक :- 26.03.2026
उजरदायरी
नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर की सदाकना नगर योजना में लॉटरी द्वारा आवंटित भूखण्ड संख्या 3-ए-19 माप 30'-0" गुणा 64'-0" फीट को श्री श्यामलाल पुत्र श्री मामराज को आवंटित किया जाकर उक्त भूखण्ड का 99 सालाना पट्टा श्री श्यामलाल पुत्र श्री मामराज के नाम से दिनांक 30.03.1999 को जारी किया गया। श्री श्यामलाल पुत्र श्री मामराज की मृत्यु दिनांक 12.12.2025 को हो चुकी है, जिनके वारिस प्रमाण-पत्र के अनुसार चार वारिस दर्शाए गए हैं। 1. श्रीमती रामप्यारी (पत्नी) 2. सुश्री अलका बिश्नोई (पुत्री) 3. सुश्री मंजूला बिश्नोई (पुत्री) एवं 4. श्री राजीव बिश्नोई (पुत्र)। उक्त वारिसानों के द्वारा श्री राजीव बिश्नोई पुत्र स्व. श्री श्यामलाल बिश्नोई के नाम से जरिये पंजीकृत दस्तावेज हक परित्याग पत्र (रिलीज डीड) दिनांक 04.03.2026 के अनुसार अपना हिस्सा श्री राजीव बिश्नोई पुत्र स्व. श्री श्यामलाल बिश्नोई के हक में कर दिया। आवेदक श्री राजीव बिश्नोई पुत्र स्व. श्री श्यामलाल बिश्नोई निवासी वार्ड नम्बर 18, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिस प्रमाण पत्र, व पंजीकृत दस्तबदयरी की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड का अपने नाम से नामान्तरण करवाने हेतु निवेदन किया है। यह उजरदायरी सत्या करते हुए हर आम व खास, हितबद्ध को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के वारिसान/वसीयत के संबंध में किसी को कोई एतराज हो तो उजरदायरी प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस में मय सबूत न्यास कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि व्यतीत होने के बाद कोई उजर मान्य नहीं होगा एवं न्यास कार्यालय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही कर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्री राजीव बिश्नोई पुत्र स्व. श्री श्यामलाल बिश्नोई निवासी वार्ड नम्बर 18, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर के नाम से जारी कर दिया जावेगा। - **सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियमन/2026/5236 दिनांक :- 27.03.2026
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा चक 2 एमएल मुरब्बा नं० 54 के किला नं० 14 में माप 30 इन्ट 50 फीट, रिद्धि-सिद्धि एन्क्लेव, श्रीगंगानगर का आवासीय पटटा संख्या 5212 दिनांक 08.10.2007 को श्रीमती कृष्णा सिडाना पत्नी श्री विनोद सिडाना एवं श्री विनोद सिडाना पुत्र श्री बिहारी लाल के नाम से जारी है। श्रीमती ज्योति रानी पत्नी श्री गगनदीप निवासी वार्ड नं० 18, रायसिंहनगर, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 16.02.2026 के द्वारा क्रय कर अपने स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटा एवं अन्य दस्तावेजों का समर्पण कर भूखण्ड का फ्री होल्ड पटटा जारी करने हेतु आवेदन किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं० 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - **सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियमन/2026/5247 दिनांक :- 27.03.2026
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं० 19 के किला नं० 02 में माप 30 इन्ट 50 फीट, भूखण्ड संख्या 26, श्रीगंगानगर का आवासीय पटटा संख्या 6563 दिनांक 22.01.2009 को श्रीमती मंजू सिंह पत्नी श्री कुन्दन सिंह शेखावत के नाम से जारी है। श्री रमेश कुमार पुत्र श्री दिवानचन्द निवासी 124 पी-ब्लॉक, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड में से माप 15 इन्ट 50 फी दक्षिणी हिस्सा को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 16.04.2013 के द्वारा क्रय कर अपने स्वामित्व के दस्तावेजों एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटा एवं अन्य दस्तावेजों का समर्पण कर भूखण्ड का फ्री होल्ड पटटा जारी करने हेतु आवेदन किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं० 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - **सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

बीकानेर,(निसं)। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शुक्रवार को निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर प्रो. बी.एन. श्रृंगी ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत शुक्रवार को 'वन्दे मातरम गीत का भारत के स्वाधीनता संग्राम में योगदान' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रतिष्ठा शर्मा ने बताया कि आयोजित निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के मोहित कुमरावत प्रथम एवं स्नातक द्वितीय वर्ष की खुशबु खोखर द्वितीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के समन्वयन में डॉ. बसंत एवं डॉ. वैशाली का सहयोग रहा।

तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु का 'अभिनिष्क्रमण दिवस' मनाया

बीकानेर,(निसं)। जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु का 267 वां अभिनिष्क्रमण दिवस शुक्रवार को बीकानेर और गंगाशहर में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। तेरापंथ समाज के लिए यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व है, जो त्याग और सत्य क्रांति के प्रतीक के रूप में पहचाना जाता है।

गंगाशहर स्थित बोथरा भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुनिश्री अमृत कुमार ने आचार्य भिक्षु के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन (विक्रम संवत 1817 की चैत्र शुक्ला नवमी) स्वामी जी ने शिथिलाचार को त्याग कर सत्य की खोज में आचार्य रघुनाथ जी के संघ से 'अभिनिष्क्रमण' किया था। उनकी इसी वैचारिक क्रांति ने 'तेरापंथ' जैसे अनुशासित और संगठित धर्मसंघ की नींव रखी।

तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु का 'अभिनिष्क्रमण दिवस' कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुनि अमृतकुमार।

आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस पर फरमाते हुए मुनिश्री अमृत कुमार जी ने कहा कि तेरापंथ आचार्य भिक्षु की तपस्या का फल है। राम नवमी और आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस राम और आचार्य भिक्षु में बहुत समानताएं है राम ने कितने कष्ट सहन किये 14 वर्षों का वनवास काटा वैसे ही आचार्य भिक्षु ने अनेकों कष्ट सहन किये। संघर्षों को न्योता देकर तेरापंथ बनाया। उन्होंने कहा कि तेरापंथ का नामकरण भी किसी और ने दिया। शमशान में वास किया। बगड़ी में किसी ने जगह नहीं दी। शमशान में अभय की साधना की। हाटों में प्रवास किया दुकानों में चातुर्मास किया सड़को पर प्रवचन दिया। ऐसे अनेकों कष्ट सहन किये। जब रघुनाथ ने कहा कि आगो थारो पीछो म्हारो तब आचार्य भिक्षु ने कहा कि अब मुझे और क्या चाहिए जब गुरू मेरे पीछे है तो अब मुझे क्या डर। आचार्य भिक्षु किसी से नहीं डरे। हमें सिर्फ तेरापंथ का नाम या आचार्य भि०क्षु का नाम लेने से नहीं चलेगा उनके सिद्धान्तों को समझना होगा उन्हे क्रियान्वित करना होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित मुनिश्री विमल विहारी जी , मुनिश्री प्रबोध मुनि जी , मुनिश्री उपशम जी और विद्वानों ने कहा कि आचार्य भिक्षु केवल एक संप्रदाय के प्रवर्तक नहीं थे, बल्कि वे एक महान समाज सुधारक और तत्वज्ञान के मर्मज्ञ थे।

बीकानेर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

बीकानेर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली।

बीकानेर,(निसं)। एसकेआरएयू द्वारा गोद लिएगए ग्राम पेमासर में कृषि महाविद्यालय तथा छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा, एक दिवसीय नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक छात्र कल्याण डॉ. एच. एल. देशवाल ने ग्रामीण युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवा नशे से दूर रहें और अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएं। नशा मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सी. पी. मीणा ने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है।स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम में जागरूकता रैली निकाली गई। एन एस एस तथा अन्य स्वयंसेवकों ने रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशा छोड़ने एवं स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2026/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 26-3-2026
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी/वाणिज्यिक भूखण्ड वाक चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 01 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या की माप 10'-0" गुणा 15'-0" फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री जवाहर लाल निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री जवाहर लाल निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चेक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 01 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या का माप 10'-0" गुणा 15'-0" फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पट्टा जारी होना पाया गया तो तत्काल पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
RajKaj Ref No.: 21200682 -**सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।**

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2026/20214316 **विज्ञप्ति** दिनांक :- 10.02.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 के किला नं. 25 में भूखण्ड माप 240.62 वर्गगज भूमि का अतिरिक्त जिलाधीश, कृषि भूमि रूपान्तरित, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पट्टा संख्या 168 दिनांक 10.06.1985 द्वारा श्री परसन पुत्र श्री श्योलाल के नाम से जारी है। उक्त मूल भूखण्ड माप में से उत्तरी हिस्सा माप 20'-7½ ×52'-6" फीट पूर्व दिशा की ओर खुलता हुआ जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 03.11.2006 अनुसार नामान्तरण पत्र नियमन/2017-18/155 दिनांक 11.05. 2017 द्वारा श्री पंकज कुमार वर्मा पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद वर्मा के नाम नामान्तरण आदेश जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से विक्रित (वाणिज्यिक) भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रस्तगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि/)/2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियों की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक विक्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियों (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीज डीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णितानुसार भूखण्ड माप 20'-7½ ×52'-6" फीट का आवासीय रूपान्तरित से विक्रित (वाणिज्यिक) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - **सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

अजित फाउण्डेशन के वार्षिक उत्सव पर होगें कई कार्यक्रम

बीकानेर(निसं)। अजित फाउण्डेशन शहर के अंदरूनी हिस्से में गत तीन दशकों से निरन्तर युवाओं एवं युवतियों के मानसिक संचेतना एवं रचनात्मकता पर कार्य कर रहा है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव विभिन्न विषयों पर देश के विख्यात विचारकों को आमंत्रित किया जाता है। साथ ही अन्य बौद्धिक कार्यक्रम भी आयोजित होते है। 11 अप्रैल को ''विज्ञान और समाज'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में प्रो. ध्रुव रैना, विज्ञान के इतिहासकार एवं दिल्ली साइंस फोरम के सदस्य, डॉ. विक्रम व्यास, भौतिकशास्त्री एवं अध्यक्ष अजित फाउण्डेशन, प्रो. श्यामसुन्दर ज्याणी, समाजशास्त्री एवं पर्यावरणविद् तथा डॉ. राकेष हर्ष, प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान उपस्थित रहेगें। संगोष्ठी सायं 6 से 7 बजे अजित फाउण्डेशन सभागार पर आयोजित होगी। इसी क्रम में इसी दिन सायं 7:30 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अजित फाउण्डेशन संगीत समूह द्वारा कबीर, मीरा, वाणी गायन जैसी प्रस्तुतियां दी जाएगी। कार्यक्रम समन्वयक संजय श्रीमाली ने बताया कि 12 अप्रैल को वार्षिक संवाद श्रृंखला के तहत ''जयसिंह के जंतर-मंतर की वैज्ञानिक और सांस्कृतिक अहमियत'' विषय पर प्रो. ध्रुव रैना का संवाद आयोजित होगा। प्रो. रैना जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज के प्राध्यापक है। वे भारत में विज्ञान के इतिहास एवं दर्शन के अग्रणी अध्येता और दिल्ली साइंस फोरम के सक्रिय सदस्य है। संवाद के पश्चात उपस्थित सदस्यों की जिज्ञासाओं हेतु प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित होगा। यह कार्यक्रम भी अजित फाउण्डेशन, आचार्यों की ढाल के नीचे, सेवगों की गली, बीकानेर पर आयोजित होगा।

■ 11 अप्रैल को ''विज्ञान और समाज'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा

एडीएम ने रेफरल चिकित्सालय का निरीक्षण किया

पाटन (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना भागीरथ साख ने शुक्रवार को राजकीय रेफरल चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सालय प्रभारी अधिकारी डॉ अमित यादव ने स्टाफ बढ़ाने की मांग की। दरअसल गर्मी के मौसम में मौसमी बीमारी फैलने के भय से एडीएम औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे तो चिकित्सालय में मरीजों की भीड़ देखी। इस बारे में उन्होंने चिकित्सालय प्रभारी अधिकारी से पूछा की इतनी भीड़ कैसे हैं, तो चिकित्सा प्रभारी अधिकारी ने बताया इन मरीजों को इंजेक्शन लगने हैं, परंतु स्टाफ की कमी के चलते कार्य में विलंब हो रहा है। एडीएम ने गार्ड लगाने की बात कही तो चिकित्सा प्रभारी अधिकारी ने कहा आप आदेश दे तो गार्ड भी लगा दिया जाएगा। एडीएम भागीरथ साख ने तुरंत प्रभाव से सीकर सीएम एच ओ से बात कर स्टाफ बढ़ाने को कहा। गौरतलब है राजकीय रेफरल चिकित्सालय में इन दिनों डॉक्टर एवं नर्सिंग ऑफिसर्स की कमी चल रही है।

साथिन आमुखीकरण कार्यशाला में साथिनों को किया सम्मानित

बीकानेर,(निसं)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा शुक्रवार को जिला उद्योग संघ कार्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत साथिन आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महिला अधिकारिता के मानदेय कमिर्यों को विभागीय योजनाओं तथा उनके क्षमताओं के चहुंमुखी विकास हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही बीकानेर जिले की नौ परियोजनाओ में विभागीय कार्यों को प्रमुखता के साथ करने के लिए साथिनों को सम्मानित किया गया। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने बताया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र मे आज अपनी उपस्थिति को रेखांकित कर चुकी हैं। कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जो महिलाओं के वर्चस्व से अछुता हो। महिला अधिकारिता कि सभी प्रमुख योजनाओं में साथिनें बेहतर कार्य कर रही हैं तथा महिला एवं बालिकाओं विभागीय योजनाओं का लाभ पहुचा रही है। सुमन छाजेड ने कहा कि नारी न कभी अबला थी, न कभी हो सकती है। अब आवश्यकता है कि महिलाएं समाज में नए-नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए निरन्तर ऊंचांइ्यों को छुएं। उन्होंने कहा कि महिलाएं ठान लें तो घर परिवार के साथ समाज में फैली कुरीतियां भी खत्म सकती हैं एवं स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकती हैं। सुनीता हठीला ने महिलाओं के लिए सरकार द्वारा किये जाने वाले सभी प्रयासों के बारे में बताया। इस दौरान सरिता नाहटा, मंजुषा भास्कर, ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्रचेता विजय लक्ष्मी जोशी ने किया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना स्टाफ तथा हब के जेन्डर स्पेशलिस्ट कार्तिक बोहरा सहित अन्य कर्मचारी तथा आमजन मौजूद रहे।

साथिन आमुखीकरण कार्यशाल में साथिनों को किया सम्मानित।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2026/5240 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 27-3-26
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राधेश्याम पारीक पुत्र श्री रामजस निवासी वार्ड नं. 09, खातियों की गली, गोरखाना, तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़ के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 11 में माप 16.6 इन्ट्र 67.6 फीट भूखण्ड संख्या ए-37, साउथ पार्ट श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का आवासीय का प